_/_/_

Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh

Date-   Class - VI
Subject - Hindi Literature   Page - 1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग-6
पाठ-9 'बंजारा नमक लाया' (भाग-2)

सुप्रभात प्यारे बच्चो।

यह पाठ-9 'बंजारा नमक लाया' कक्षा छठी की हिन्दी साहित्य की पाठ्यपुस्तक नवतरंग भाग-6 की पृष्ठ संख्या-70 में दिया गया है। यह पाठ आपको 10 अक्तूबर, 2022 को भेजा जाएगा।

प्यारे बच्चो! आज हम 'बंजारा नमक लाया' कविता का अगला भाग पढ़ेंगे। बच्चो! यह कविता कवि प्रभात द्वारा लिखी गई है, इसमें उन्होंने एक बंजारे द्वारा ऊँटगाड़ी में नमक लाने का चित्रण पेश किया है। कविता में दिखाया गया है कि लोगों का नमक लेने के प्रति काफी उत्साह है।

थोड़ा घर की खातिर लूँगी
थोड़ा बेटी को भेजूँगी
महीने भर से नमक नहीं था
जिनका लिया उधारी दूँगी
लेन-देन की मची है धूम
घर गुवाड़ी में
बंजारा नमक लाया
ऊँटगाड़ी में।

कठिन शब्द :- खातिर - के लिए
गुवाड़ी - आँगन

__/__/__

Date- Class- VI
Subject- Hindi Literature Page-2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

भावार्थ :- इन पंक्तियों में कवि लिखते हैं कि जब बंजारा ऊँटवाड़ी में नमक लाता है तो गाँव की सारी औरतों में उत्साह भर जाता है। सभी अपने अपने काम छोड़कर आ जाती हैं। कोई कहती है कि मैं अपने घर के लिए भी नमक लूँगी और अपनी बेटी को ससुराल में भी भेजूँगी। कोई कहती है कि एक महीने से घर में नमक नहीं था, जिनका मैंने उधार लिया था पहले उधार चुकाऊँगी। इस प्रकार गाँव के प्रत्येक घर आँगन में लेन-देन की धूम मची है।

कब हाट जाना होता
कब खुला हाथ होता
जान-बूझकर नमक
जब ना भूल आना होता
फीके दिनों में नमक डाला
मारवाड़ी ने
बंजारा नमक लाया
ऊँटवाड़ी में

कठिन शब्द :- हाट - बाज़ार, फीके दिन - जिन दिनों घर में नमक नहीं होता।

भावार्थ :- कविता की इन पंक्तियों में कवि लिखते हैं कि औरतें आपस में बातचीत करते हुए कहती हैं कि पता नहीं कब बाज़ार जाया जाए और कब घर पर पैसे हो जब हम नमक खरीद सकें। कई बार तो पैसों की कमी के कारण जानबूझकर नमक भूलकर आना पड़ता है। उन दिनों घर में खाना

Scanned with CamScanner

_/_/_

Date-   Class- VI
Subject- Hindi Literature   Page- 3
Subject Teacher- Ms Roma Rani

भी फीका बनता है। औरतें कहती हैं कि हमारे फीके दिनों में मारवाड़ी ने नमक ला कर स्वाद भर दिया है। इस प्रकार मारवाड़ी के आने से सारे गाँव की औरतें खुश हैं।

बच्चो! आज मैंने आपको सारी कविता समझा दी है। अब मैं आपको पुनरावृत्ति के लिए कुछ प्रश्न दूँगी, जिनके उत्तर आप अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न - 1. चुवाड़ी का अर्थ क्या है?

प्रश्न - 2. नमक उधार क्यों लेना पड़ा होगा?

प्रश्न - 3. मारवाड़ी ने कौन-से दिनों में नमक डाला?

प्रश्न - 4. 'कब हाट जाना होता' पंक्ति में हाट शब्द का क्या अर्थ है?

बच्चो! अब मैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर बताऊँगी, जिनसे आप अपने उत्तरों का मिलान करेंगे।

उत्तर - 1. चुवाड़ी का अर्थ आँगन होता है।

उत्तर - 2. घर में काफ़ी दिनों से नमक नहीं था। इस कारण नमक उधार लेना पड़ा।

उत्तर - 3. मारवाड़ी ने आ-गो फीके दिनों में नमक डाला।

उत्तर - 4 'कब हाट जाना होता' पंक्ति में हाट का अर्थ बाज़ार है।

गृह कार्य :-

∴ बच्चो! आप इस पाठ के पृष्ठ - 71 पर आए शब्द-अर्थ याद करेंगे।

∴ आप इस पाठ के पृष्ठ - 72 पर आए संक्षेप में के प्रश्न करने की कोशिश करेंगे।

Last page.

Scanned with CamScanner